मौर्य साम्राज्य के प्रमुख शासक: चन्द्रगुप्त मौर्य, बिन्दुसार और अशोक

भाग:-9

डॉ विभूति भूषण
सहायक प्राध्यापक (अतिथि)

प्राचीन इतिहास विभाग
SNSRKS COLLEGE SAHARSA

अशोक का धर्म [अशोक का धम्म]

अशोक के धम्म पर आधुनिक इतिहासकारों ने कई विचार दिए है. कुछ इसे अशोक की धम्म नीति से, कुछ बौद्ध धर्म से, कुछ ब्राह्मण धर्म से तथा कुछ विदेशी प्रभाव से प्रभावित मानते है.

निरपेक्ष विश्लेषण के बाद कहा जा सकता है की अशोक का धर्म उस रूप में धर्म नहीं है जैसा की पश्चिम के देशो में होता है. यह नैतिक आचार संहिता है न की हिन्दू, बौद्ध, जैन, इसाइयत जैसा है. यह मानवतावादी है. अगर धर्म की ही बात करें तो इसे सभी धर्मों का सार कहा जा सकता है.

इसे लाये जाने की कारणों की बात करें तो इसे राजनितिक उद्देश्य से लाया गया होगा. इसके माध्यम से अशोक सामाजिक, सांस्कृतिक एकीकरण करना चाहता था .

अशोक एवं बौद्ध धर्म

अशोक ने बौद्ध धर्म को स्वीकार किया तथा इसके प्रचार के लिए कई उपाय किये. इसमें दूतों एवं धर्म प्रचारकों को भेजना, यात्रा करना, जुलुस निकलना आदि मुख्य था.